an>

Title: Shri Ravi Shankar Prasad made a personal explanation regarding certain remarks made about him by Shri Jyotiraditya M. Scindia on 24th February, 2015.

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री रवि शंकर प्रसाद) : माननीय स्पीकर महोदया, आपने मुझे रूल्स के अंतर्गत पर्सनल एक्सप्लेनेशन करने का अवसर दिया है, उसके लिए मैं कृतज्ञ हूं। 24 फरवरी को इस सदन के सम्मानित सदस्य और मेरे मित्र ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया जी ने शून्य काल के दौरान मेरे बारे में बताया कि मैंने संविधान की प्रस्तावना में बहस का आग्रह किया है और मेरी यह टिप्पणी निंदाजनक है। यह पूरी बात रिकार्ड पर है।

मैं इस संदर्भ में स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैंने यह वक्तव्य कभी नहीं दिया था। 28 जनवरी को कैबिनेट की बैठक के बाद मैं प्रैस ब्रीफिंग कर रहा था। उस समय आईएंडबी के विज्ञापन के बारे में मुझसे एक सवाल पूछा गया तो मैंने यह कहा कि कांग्रेस पार्टी को यह बहस करनी चाहिए कि जवाहर लाल नेहरू, जो देश के वरिष्ठ नेता हैं, उनका हम सभी सम्मान करते हैं, वे सेक्युलर थे या नहीं। क्योंकि, जब वर्ष 1950 में संविधान बना तो वह मौलाना आजाद, सरदार पटेल, भीमराव अम्बेडकर आदि लोगों ने सेक्युलर और सोशलिस्ट वर्ड नहीं रखा था। इस पर बहस होनी चाहिए। सारे अखबारों ने हमारी यह बात सही-सही छापी, लेकिन एक अखबार 'हिन्दू' ने अपनी हैडलाइंस में कहा कि हमने प्रिएम्बल पर बहस की बात की है। उन्होंने 30 तारीख को मेरा पूरा क्लेरीफिकेशन छापा। उसके पश्चात् 2 तारीख को 'हिन्दू' ने एक संपादकीय लिखा, जिसमें मेरे इस संदर्भ का पूरा जिक्र किया और मेरी आलोचना की। मैंने 'हिन्दू' के संपादक को विस्तार से एक पत्र लिखा। मैं इस बारे में उनकी तारीफ करना चाहूंगा कि उन्होंने 3 तारीख को मेरे पूरे रिजॉइन्डर को विस्तार से छापा।. I never called for a debate on secularism and socialism. इसकी ओरिजनल प्रति मेरे पास है, जिसे मैं सदन में रख दूंगा। 29 तारीख को मैंने कई टी.वी. चैनल्स को कहा कि मैंने यह कभी नहीं कहा और न सरकार की मंशा है। हां, कांग्रेस पार्टी को यह सवाल पूछना है कि नेहरू जी सेक्युलर थे या नहीं? यह वर्ष 1950 में नहीं हुआ था। जो बातें मैंने कभी नहीं कहीं, उन्हें लेकर माननीय सिंधिया साहब, जो मेरे मित्र भी हैं, उनका मैं सम्मान करता हूं। वे होम वर्क

करते हैं। वे मुझसे फोन पर पूछ लेते और सदन में मेरा नाम लेकर मेरी टिप्पणी को निंदाजनक कहना, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। इसलिए मैं पूरा रिकार्ड स्ट्रेट करना चाहता हूं और अगर आप कहेंगी तो मैं अपने पूरे स्टेटमैंट को औथेंटिकेट करके सदन के पटल पर रख दूंगा। मैं यह नहीं कहूंगा कि वे खेद प्रकट करें या शर्म करें, लेकिन यह अपेक्षा करूंगा कि अगर रिकार्ड इतना स्ट्रेट है तो कम से कम मेरे खिलाफ की गयी सदन पर टिप्पणियों को वापस लेंगे। यह मैं उनसे अपेक्षा अवश्य करता हूं।